

DPN 6847

चचासप् CACĀ SAPHŪ

Title :

Run. No. 7572

Cat. No.

Micro. No.

Subject चचा Charya Songs.

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 16. X 6.3

Folios 13

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

पूर्णकाजी ताम्राकार

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Purna Kaji Tamra Kar

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

सूची - १. गोबुद्धन, २. अनिल, ३. रत्नवरा, ४. नमो P.T.O.

५. डूँ डूँ देह

६. मित्रक

७. हाडागरा

८. उदिता

९. मिष्टा

१०. जपं २ वाहरि

११. करे करो तो

१२. सक् रज.

॥ उन्मामिदवीष्ठी वज्रविनासिनी विरुद्रुतनक समहानदवी

॥ ॥ दय्येव प्रणि विंचू अत्र अर्चय्य अहिनि सिसुमनं वज
दवी २ जल २ युं २ वायसत्र ॥ इर्गति नाभन माकप दाता ॥ ॥
(नागगन्धर्व २ वी ॥ ग्वकूदहन यं २ हानस्त्रय श्यं २ अमिय नस्यं
२ सात्रीयुजिया ॥ ॥ ॥ उक्तदवी वमाय विभुवन वीना शविन मना
पक समयानंद ॥ ॥ विरीविश्व न सरुजा नंद २ कनक मना कन

御書

हृदयार्नय॥ ॥ यश्च वृद्धो यश्च सुखी यश्च श्रद्धावान् यश्च नृपुणः
 हृदया॥ ॥ ॐ आ ११ को खं सधन कति १२ उमन् १३ ध्यानि वित्र
 मानं च॥ ॥ ॥ रावपटम अलि॥ अनि न अन्न न जल जातु व
 मा अमन् मधुन व कनाया २ वजय ऊरु सन जा नर्स पत्रि रुत्रि मय
 मधुन व कनाया॥ ॥ ॥ उमन् कुरियि या ॥ न क नृग अलि नृग रु

नृव कुरियि या २ वज वा ना हि अलि गण सन् न कुरियि या॥ ॥ क
 वि सविन वित्र धन अलि नृगै नृगै नृगै अलि नृगै नृगै नृगै नृगै
 सर्व दव वज धाद स दवी सिन कि राय नर्स दवा॥ ॥ शि उवन उ
 कुर कुरा य रा अ शि उवन उ कुर कुरा विन वी ना २ विनि उवन न
 वटा मय सादिन रुत्रि ग उ नृगै ना॥ ॥ अलि नृगै नृगै नृगै

वाग्देवा हा द्यादि लत्र लाव अलावा २५ नम म न न राय वं धन द्यादि
 लत्र लय मानू अगि य स द्याव ॥ ॥ ॥ नाग ट ॥ न क व र्हे नि
 निनाय न स द्य त्रि २ अ ला ग द न उ ज य रु न न कि न द्या ॥ ५ ॥ उ म द
 द वी वा नू वी मा म कि द वी २ ज ग न य मा दि न म य न स न्नां य ॥ ॥
 आ ग म व द य नान व सान क ग ध न म दि का गु नू उ य द न ॥ ॥ ५

५ व द स न नू य ज उ म २ स या न आ नी नी मा य रु नू व रु नू व ॥ ॥
 स ग नू व रु नू मि र्ग न न ध नि या २ ल न यि वा क व ज स न्ना मा नू पि ॥
 ॥ ॥ ॥ १ ना ग रु न वी ॥ न म र्हे अ का नू न नू प ध नू २ ख द वी य स ल
 उ ना नू ॥ ५ ॥ न ना र्हे न ना र्हे २ न ना न म र्हे ॥ ॥ ६ ज आ
 आ लि र्हे न क ग ध नू २ व ज य ठ म्हा ध नू ॥ ॥ ध व न स स नू न रु

ना हाउरानसुभाहिना॥ ॥ तव घंठगजवर्ममन्त्रवर्षा
 कश्चाघवर्मकलिबलिनाविनमानुमन्त्रिधनाश्चक्रिक
 पात्रयत्रभूषामविभूतवर्मकपात्रधना॥ ॥ दिग्विदिग्का
 काञ्चादियमजाकानीयवी सरुजानंदमन्त्रिधनाश्चनमासि
 श्रीवक्रसंज्ञना सतगुत्रवत्रवजात्राधिना॥ ॥ ॥

(नाम॥ मरुडि॥ हाउरानसुभाहिना॥ ॥ तव घंठगजवर्ममन्त्रवर्षा
 त्रिभुवनमन्त्रवर्षा॥ ॥ तव घंठगजवर्ममन्त्रवर्षा॥ ॥ तव घंठगजवर्ममन्त्रवर्षा
 ॥ ॥ तव घंठगजवर्ममन्त्रवर्षा॥ ॥ तव घंठगजवर्ममन्त्रवर्षा॥ ॥ तव घंठगजवर्ममन्त्रवर्षा
 ॥ ॥ तव घंठगजवर्ममन्त्रवर्षा॥ ॥ तव घंठगजवर्ममन्त्रवर्षा॥ ॥ तव घंठगजवर्ममन्त्रवर्षा

लोपान्नन

॥ गियधवृ खगड द्वादिहानसंघन य
 यिसयिसुगारुशानाशरुमाविनाहिनि वजवा नादि उक्तविर्षुदव
 ॥ गभवकिरीलावज आत्रियाडन सतगुनूव नव
 ॥ १ ॥ गभवकिरीलावज आत्रियाडन सतगुनूव नव
 ॥ २ ॥ गभवकिरीलावज आत्रियाडन सतगुनूव नव

॥ धानइष्टरुवनि सतत्रिगाशमुखयनिर्नज
 ॥ दिनकरमधुनमध्वगताशकनूधमृगवस
 ॥ दध्वात्रिरुययुगिनि रुकाशदवासूननरसि
 ॥ गभवकिरीलावज आत्रियाडन सतगुनूव नव
 ॥ १ ॥ गभवकिरीलावज आत्रियाडन सतगुनूव नव

आमीनी दुरुकवादिश्कमन कविगघनकरुं वियात्रा ॥ ॐ ॥

आमीनी दुष्कविनूखनरुं नजिनगिश्गाया मूरुयुं वियात्र कलन
विवयि ॥ ॥ कपनरुथागीनी वयनजायिश्मसि कूरवदिया

त्रादियान सप्तयि ॥ ॥ सासुघत्रघात्र कं वियान श्वंडुसुय

नरुनरुनरु ॥ ॥ कनयिश्मवात्रिभम कंडुन विनाशनर

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 दिक्षि वदु विमनयमा ॥ ॐ ॥ कया नमालं दला प्रमधुगिता विः
 श्वकूलिग अर्द्धकं दु कलित पिणल कमा श्वकालुद नालायन मूत्र
 निपायापिया चवृत्तन नवृत्तमाया ॥ कनिश्वरग खउ मत्र
 व डगनू जत्र संता माऊल अर्द्धक प्राधिता शधनगी वानगी यव

ॐ नमो
 नरैगासत्र वृत्तम आदिन जक्रधनदि ॥ ॥ अकार्य चक्रिप्ति
 प्रधनिया अमिय मनि ककुल कलितल सीरु व शागमालि श्व
 जयक वेत्रावता कलिय अमाद्य सिद्धि वृद्धिय अर्द्धवृद्धि लियेन
 ॥ ॥ धर्म सीशाग निमान चकी कडू मना महासेख अग
 पूराश्वीरुव वडवतल सनउत वल अस्तनाग न दानि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

राग॥ दसाव॥ कलकलागा धादगं जुगं रुमायकगिजायि
 घनमूडा मारनन धल गयिक वाडिलरमा॥ ५॥ धिन्ननाव
 यिरधिन्ननावयी जीहूनवनाया मन्नमधुन महिमधुनम
 रूपया राग वक्तावाययिन चउमूष हरीहन ०० नु क
 धुकदि विष्णमगि दितायनावंडु॥ ६॥ वक्तायनी नूडा
 जगिरीग साधतमूडा हकिले ग नवैतिकवाडिनाया॥

यनीलाकागवली
धनाचीहनुवनाया॥ ॥गभिवर्म किदीलकुमामहकि
हुकहुकिंठिल॥ ॥नाग॥नाग॥॥
॥नागताड॥सकनऊंगतसीसाननूयाही॥सर्वनूयधनसुखाकलोही॥
॥॥दवीगिरिवन॥नकुचली॥जगतवूधमयसर्वसिदनूयाही॥

॥ ॥ अहं वृद्धि अहं सिद्धि स्ववज्रगमाहं ॥ अहं श्री अहं परमनयं
सकाहं ॥ ॥ देवास्त्रोहं जयजतकाहं ॥ अहं जय अहं मृत्युविघ्नसि
द्धिनाहं ॥ ७ ॥



रागगतावति ॥ वृद्धकर्म वृद्धादन जितय ॥ १२ कंच लुद्धविन
सिद्धिप्रदवन ॥ गताहं ॥ ॥ घाघवन उत्रहार्थं यत्र लुधना ॥ १॥
ॐ अजमूत्र अरु कलुष कधारी ॥ ॥ अरु निरु निरु निरु
कषनि ॥ १॥ अदि अरु कल्या कधारी ॥ ॥ अने मध पात्रे नि
उवन यत्र १ गहापति यजियाल सर्व काज सिद्धि ॥ १॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ जूवनिनिहितजान् निलममदहाश्चककनगिध
यधरिषमवदना ॥ तनाहूंकं तनाहूंकं शूंकं हूंकं जान् जूवनेका
हनायात्त हनिविदिघ्नयुगिष्वातिनमलाश्चाम स्वध्व
त्रिनिधुवनाथ ॥ ॥ हनीदन्वमावुचुवउसा नाश्म
नविघ्नयुगिभक्तयद्वनम् ॥ ॥ विविधिरत्नमीनी नी

कनकदत्ता २ जगत्तु विवाहिन सिद्धिदत्तदायकं ॥ ५ ॥ राधा
 विणसा ॥ द्विजगत्तु कनकदत्तवत्तु श्रेष्ठमकूटकण्ठ शिवाय
 ॥ ॥ नमो देवी वृद्धगकिनी विध्वज्जननी शशिदुवध्याय
 जितहानदायनी ॥ ॥ दहिनकनवज विनासितदग्निः

१ काम कर्माहं कयलुमा नघिवयी॥ ॥ गत्रही मंधुलमा म्मा

२ अडियानग मल्ल १ नथनयूनगत तीयवमिना॥ ॥

३ विद्याध न्नीधदवी सुननलमाहेगा २ सकलमद्विसिद्धि
४ दहिभमागा॥ ॥ ॥ नागा॥ नाट॥ उदयनीना

लित रुनू कामसंकाश उदियुमिसमिदध।ल



५॥

20

15

10

5

0

विष्णु

॥ वागमृजालमात्राणि ॥ दिव्यं जलं कर्मस्वर्गकवर्ग
॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ ॥ वागमृजालमात्राणि ॥
॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ ॥ वागमृजालमात्राणि ॥
॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ ॥ वागमृजालमात्राणि ॥
॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ ॥ वागमृजालमात्राणि ॥

वदन्ति

॥ वागमृजालमात्राणि ॥ दिव्यं जलं कर्मस्वर्गकवर्ग
॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ ॥ वागमृजालमात्राणि ॥
॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ ॥ वागमृजालमात्राणि ॥
॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ ॥ वागमृजालमात्राणि ॥
॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ दिव्यं मृगमृगकर्म ॥ ॥ वागमृजालमात्राणि ॥

cmnts.

5

10

15

20

25

30